E-Learning Study Material

By- Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

B.A. Economics Hons First Year,
First Paper

Q- Why Interest is Paid ?

(Lenders demand that borrowers pay interest for ~~[illegible]~~ several important reasons. Firs, when people lend money, they can no longer use this money to fund their own Purchases. The Payment of interest makes up for this inconvenience. Second, a borrower may default on the loan)

Scanned with CamScanner

Q- Why Interest is Paid?

Ans-

वर्तमान समय में ब्याज का लेन देन बुरा नहीं समझा जाता है। आज पूँजी उत्पादन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गयी है और सभी इस बात से सहमत हैं कि पूँजी में उत्पादकता होती है और उसे उसकी उत्पादकता का पुरस्कार मिलना ही चाहिए। सामान्यतः ब्याज देने के निम्नलिखित कारण उत्तरदायी हैं—

(i) जिस समय पूँजीपति अपनी पूँजी उधार में देता है, उसे यह आशा नहीं रहती है कि उसकी पूँजी समय के भीतर ही लौटा दी जायगी। पूँजीपति को पूँजी उधार देते समय त्याग करना पड़ता है। जब तक उसके त्याग की क्षतिपूर्ति नहीं की जायगी, तब तक वह पूँजी उधार नहीं देगा।

(ii) उधार लेने या उधार देने वाला इस बात को अच्छी तरह जानता है कि पूँजी के उपयोग से लाभ होता है। अतः उधार देने वाला व्यक्ति उस लाभ में से अपना हिस्सा भी माँगता है। यदि प्राप्त होने वाले लाभ में से उसका हिस्सा न दिया जाय, तो वह अपनी पूँजी को उधार में देना बन्द कर देगा।

Scanned with CamScanner

(iii) पूँजीपति को धन बचाने के लिए प्रलोभन चाहिए।

धन को बचाने में वर्तमान उपभोग का त्याग करना होता है। यदि उसे त्याग का भुगतान नहीं किया जाय, तो पूँजीपति धन को नहीं लगाना चाहेगा।

उपर्युक्त विवेचना से स्पष्ट है कि

"ब्याज वह भुगतान है जिसे समाज आवश्यक रूप से व्यक्तियों को धन बचाने के लिए तथा इस बचे धन को उन व्यक्तियों को उधार देने के लिए जो कि इसका उपभोग करना चाहते हैं, प्रलोभन के रूप में देना पड़ता है।"

जो थामस (Thomas) का उपरोक्त कथन मूल रूप में इसप्रकार है—

(Interest is, therefore, a payment which society must make in order to induce people to accumulate wealth and to lend that wealth to others who wish to make use of it.)

Scanned with CamScanner